बुंदेलखंड को प्रदेश का पहला सोलर एक्सप्रेसवे बनाने को शुरू हुई तैयारी

ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को प्रदेश का पहला सोलर एक्सप्रेसवे बनाने की तैयारी तेज हो गई है। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने विभागीय अधिकारियों संग बैठक कर इस दिशा में पहल करने का निर्देश दिया। बैठक में सोलर एक्सप्रेसवे निर्माण को लेकर नौ अगस्त को लखनऊ में सभी पक्षकारों और सौर ऊर्जा विशेषज्ञों के साथ सेमिनार के आयोजन का निर्णय लिया गया।

दस अगस्त को प्रयागराज में गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर्यावरण संरक्षण के साथ ही बिजली भी पैदा करेगा। एक्सप्रेसवे के दोनों किनारों पर पर्यावरण संरक्षण के लिए 25 हजार से अधिक पौधे रोपे जाएंगे। साथ ही 1700 हेक्टेयर भूमि पर प्रदेश का सबसे लंबा सोलर पार्क भी विकसित किया जाएगा। यह सोलर पार्क इटावा से चित्रकूट तक 296 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के मुख्य कैरिजवे और सर्विस रोड के बीच की भूमि पर 15-20 मीटर चौड़ाई में विकसित किया जाएगा। इस पहल से 450 मेगावाट ऊर्जा का उत्पादन होगा। इसके लिए कंपनियों को 25 वर्ष के लिए पट्टे पर भूमि आवंटित की जाएगी। बैठक में गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण की प्रगति पर भी चर्चा हुई। महाकुम्भ से पहले गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य पूरा करने और कार्यों की गुणवत्ता की जांच के लिए 10 अगस्त को प्रयागराज में समीक्षा बैठक होगी, जिसमें गंगा एक्सप्रेसवे निर्माण कार्य से जुड़े सभी अधिकारी शामिल होंगे।